



आई सी एम आर पत्रिका

वर्ष-25, अंक-11

नवम्बर 2011

इस अंक में

- आई सी एम आर शताब्दी वर्ष समारोहों की गतिविधियां 85
- उद्योग-एकेडेमिया संबंधों पर सम्मेलन 90
- आई सी एम आर - एन आर डी सी कार्यशाला 90
- परिषद के समाचार 91

संपादक मंडल

- अध्यक्ष** डॉ विश्व मोहन कटोच
महानिदेशक
भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद
एवं सचिव, भारत सरकार
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
- सदस्य** डॉ के. सत्यनारायण
डॉ बेला शाह
- संपादक** डॉ कृष्णानन्द पाण्डेय
डॉ रजनी कान्त
- प्रकाशक** श्री जगदीश नारायण माथुर

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष समारोहों की गतिविधियां



राष्ट्र की सेवा में 100 वर्ष
1911-2011

कालान्तर में परिषद ने चिकित्साविज्ञान में अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की। वर्तमान में देश के विभिन्न स्थानों में स्थित परिषद के 31 संस्थानों/केन्द्रों एवं क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्रों के एक नेटवर्क के माध्यम से चिकित्साविज्ञान के विविध क्षेत्रों में शोध कार्य जारी है। परिषद के अपने संस्थानों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों (इंट्राम्युरल शोध) के अलावा परिषद द्वारा देश भर में स्थित विभिन्न शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों, आदि को उन्नत अनुसंधान केन्द्रों, टास्क फोर्स एवं तदर्थ (एड हॉक) परियोजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करके एक्स्ट्रा-म्युरल अनुसंधान को प्रोत्साहन दिया जाता है।

मानव संसाधन विकास के अन्तर्गत परिषद

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की स्थापना वर्ष 1911 में इंडियन रिसर्च फण्ड एसोसिएशन (IRFA) के रूप में हुई थी। वर्ष 1949 में इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च अर्थात आई सी एम आर) के नामकरण के साथ नई दिल्ली के अंसारी नगर स्थित वर्तमान भवन में स्थानांतरित किया गया।



दिनांक 8 नवम्बर, 2011 को पांच रुपए मूल्य के आई सी एम आर शताब्दी वर्ष संस्मारक डाक टिकट को जारी करते हुए बाएं से दाएं—स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री एस. गांधीसेल्वन एवं श्री सुदीप बंद्योपाध्याय, केन्द्रीय दूर संचार एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री कपिल सिब्बल, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद तथा सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद डॉ विश्व मोहन कटोच



आई सी एम आर शताब्दी वर्ष समापन समारोह के अवसर पर दिनांक 15 नवम्बर, 2011 को पांच सौ रुपए के आई सी एम आर शताब्दी संस्मारक सिक्कों को जारी करते हुए माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद

द्वारा जूनियर रिसर्च फेलोशिप्स, सीनियर रिसर्च फेलोशिप्स के साथ-साथ अण्डर ग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट्स में शोध प्रवृत्ति विकसित करने के उद्देश्य से लघुकालिक रिसर्च स्टूडेंटशिप्स जैसे विविध कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। देश में चिकित्साविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्यों के सम्मान में अनेक आई सी एम आर पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इनके अलावा अनेक विविध गतिविधियों के अनवरत संचालन के साथ परिषद ने राष्ट्र की सेवा में अपने 100 वर्ष पूर्ण किए।

शताब्दी समारोह का शुभारम्भ

दिनांक 15 नवम्बर, 2010 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री एस.गांधीसेल्वन तथा सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व माहेन कटोच की उपस्थिति में परिषद के शताब्दी समारोहों का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर परिषद मुख्यालय के साथ-साथ देश के विभिन्न स्थानों में स्थित परिषद के संस्थानों/केन्द्रों में पूरे वर्ष तरह-तरह के कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया गया।

परिषद मुख्यालय में शताब्दी समारोहों का आयोजन

चिकित्साविज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्र की सेवा में समर्पित आई सी एम आर एवं इसके संस्थानों/ केन्द्रों द्वारा पूरे वर्ष भर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। परिषद मुख्यालय द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का विवरण यहां प्रस्तुत है।

आई सी एम आर का शताब्दी वर्ष 'लोगो'

परिषद के शताब्दी वर्ष के अवसर पर एक विशेष 'लोगो' तैयार किया गया। परिषद के वित्तीय सलाहकार श्री संजीव दत्ता की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा निर्मित 'लोगो' का प्रयोग परिषद मुख्यालय एवं इसके संस्थानों द्वारा पूरे शताब्दी वर्ष के दौरान पुस्तकों, पैम्फलेट्स, रिपोर्ट्स, बैनर्स, साइनेज, आदि को तैयार करने में किया गया।



आई सी एम आर का शताब्दी वर्ष कैलेण्डर

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष (नवम्बर 2010-नवम्बर 2011) के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों में परिषद मुख्यालय द्वारा एक शताब्दी वर्ष कैलेण्डर तैयार किया गया। इस कैलेण्डर में परिषद के संस्थानों द्वारा सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गेनिजम्स), जैविक सामग्रियों के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप द्वारा लिए गए चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। इस कैलेण्डर में वैज्ञानिक और मेडिकल महत्व के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की सूची भी दी गई है। दिनांक 25 फरवरी, 2011 को नई दिल्ली स्थित आई सी एम आर मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व मोहन कटोच ने इस कैलेण्डर का विमोचन किया। इस कैलेण्डर को परिषद मुख्यालय, परिषद के सभी-संस्थानों/केन्द्रों के अलावा देश के विभिन्न शोध संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों/विभागों को वितरित किया गया।



डॉ विश्व मोहन कटोच, सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, आई सी एम आर द्वारा आई सी एम आर शताब्दी वर्ष कैलेण्डर का विमोचन

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के संस्मरण में पांच रुपए के डाक टिकट का लोकार्पण

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के संस्मरण में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और दूर संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग में निर्मित 5 रुपए मूल्य के एक डाक टिकट का लोकार्पण किया गया। दिनांक 8 नवम्बर, 2011 को नई दिल्ली स्थित डी आर डी ओ भवन के सभागार में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्रीय दूर संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री माननीय श्री कपिल सिब्बल; केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद; केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वय श्री सुदीप बंधोपाध्याय एवं श्री एस. गांधीसेल्वन के कर कमलों द्वारा इस डाक टिकट का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आई सी एम आर के महानिदेशक डॉ विश्व मोहन कटोच भी उपस्थित थे।



पांच रुपए के डाक टिकट के लोकार्पण के अवसर पर उपस्थित बाएं से डॉ विश्व मोहन कटोच, श्री सुदीप बंधोपाध्याय, श्री कपिल सिब्बल, श्री गुलाम नबी आज़ाद और श्री एस. गांधीसेल्वन

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के संस्मरण में पांच रुपए मूल्य के भारतीय डाक टिकट का लोकार्पण करते हुए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास तथा दूर संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री माननीय



श्री कपिल सिब्ल ने कहा कि चिकित्सा अनुसंधान, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था मूलरूप से एक दूसरे से संबद्ध हैं। चिकित्सा अनुसंधान के परिणामस्वरूप मृत्यु दरों में प्रभावशाली गिरावट आई है, उत्तरजीविता दरें बढ़ी हैं, संक्रामक रोगों के विरुद्ध सुरक्षा हेतु नवीन औषधियों और वैक्सिनो के क्षेत्र में प्रगति हुई है। इनके परिणामस्वरूप आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में मानव स्वास्थ्य पर एक अनुकूल प्रभाव पड़ा है। श्री सिब्ल ने कहा कि "स्वस्थ भारत" की दिशा में आई सी एम आर द्वारा संपन्न व्यापक योगदानों की मान्यता में डाक विभाग द्वारा आई सी एम आर की उपलब्धियों के सम्मान में आई सी एम आर पर वर्ष 2011 का 45वां संस्मारक डाक टिकट रिलीज़ किया जा रहा है।

वर्ष 2007 और 2008 के लिए आई सी एम आर पुरस्कारों का वितरण

नई दिल्ली स्थित डी आर डी ओ भवन के सभागार में दिनांक 8 नवम्बर, 2011 को आयोजित एक भव्य समारोह में वर्ष 2007 और वर्ष 2008 के लिए आई सी एम आर के पारितोषिक एवं पुरस्कारों से सम्मानित पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पुरस्कृत किया गया। इन दोनों वर्षों के लिए देश के विभिन्न शोध संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों में शोधरत कुल 34 बायोमेडिकल शोधकर्ताओं का चयन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री



केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री माननीय श्री सुदीप बंदोपाध्याय तथा सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व मोहन कटोच के साथ आई सी एम आर पुरस्कारों से सम्मानित पुरस्कार प्राप्तकर्तागण।

श्री सुदीप बंदोपाध्याय ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पुरस्कार की धनराशि, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र वितरित किए। इस पुरस्कार वितरण समारोह में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं आई सी एम आर के महानिदेशक डॉ विश्व मोहन कटोच भी उपस्थित थे।

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रम

आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर दिनांक 15 नवम्बर, 2011 को नई दिल्ली स्थित आई सी एम आर के एन ए एस सी कॉम्प्लेक्स में स्थित ए.पी.शिन्दे सभागार में आयोजित समापन समारोह के अवसर पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर देश में चिकित्साविज्ञान के क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य वैज्ञानिकों ने आई सी एम आर से जुड़े अपने संस्मरणों से अवगत कराया। इस संगोष्ठी में वक्ता के रूप में उपस्थित सम्मानित अतिथियों में सम्मिलित थे- एन बी आर सी के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पूर्व आचार्य प्रो पी. एन. टण्डन, जैवप्रौद्योगिकी विभाग की पूर्व सचिव डॉ मंजू शर्मा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. दीपक कुमार, ए एफ एम सी के पूर्व महानिदेशक ले. जन. (अव. प्राप्त) डॉ. डी. रघुनाथ, सी एम सी, वेल्डोर के पूर्व निदेशक एवं आई सी एम आर के चेयर इपीडेमियोलॉजी प्रो. वी. आई. माथन, आई आई टी, नई दिल्ली के आचार्य एवं हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस. ई. हसनैन, आर्मी हॉस्पिटल सर्विसेज़, नई दिल्ली के महानिदेशक ले.जन. मनदीप सिंह, भारतीय चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष एवं पी जी आई, चण्डीगढ़ के पूर्व निदेशक प्रो. के.के.तलवार, आई सी एम आर नई दिल्ली के उपमहानिदेशक डॉ एम.एम. पाण्डेय।



सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व मोहन कटोच, आई सी एम आर के पूर्व महानिदेशक डॉ निर्मल कुमार गांगुली का स्वागत करते हुए। साथ में परिषद के पूर्व महानिदेशक द्वय डॉ एस.पी. त्रिपाठी और डॉ जी.वी. सत्यवती भी उपस्थित

इस संगोष्ठी में आई सी एम आर के तीन पूर्व महानिदेशकगण की भी उपस्थिति रही - डॉ एस.पी. त्रिपाठी, डॉ जी.वी.सत्यवती तथा प्रो निर्मल कुमार गांगुली। इन तीनों सम्मानित अतिथियों ने भी आई सी एम आर से जुड़े अपने अनुभवों एवं संस्मरणों से अवगत कराया।

इस संगोष्ठी में सभी सम्मानित वक्ताओं ने आई सी एम आर से अपने संबंधों के साथ-साथ अनेक महत्वपूर्ण सुझावों से भी अवगत

कराया जिससे आई सी एम आर की भावी शोध गतिविधियों को और व्यापक बनाया जा सके।

दिनांक 15 नवम्बर, 2011 को आई सी एम आर शताब्दी वर्ष समापन समारोह के अवसर पर माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद द्वारा आई सी एम आर के 100 वर्ष पूरे होने के संस्मरण में भारत सरकार के मुम्बई मिन्ट द्वारा तैयार 5 रुपए एवं 100 रुपए के विशिष्ट संस्मारक सिक्कों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद ने कहा की स्वास्थ्य सम्बन्धी तकनीकों के सृजन एवं विकास में परिषद को अग्रणी बनना चाहिए। उन्होंने कहा की शोध को उपयोगी तकनीकों एवं उत्पादों में बदलते समय कीमत का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये स्मारक सिक्के मुम्बई टकसाल में ढाले गये हैं। इसके लिए वे वित्त मंत्रालय के आभारी हैं। इन सिक्कों में आई सी एम आर के 'लोगो' को प्रदर्शित किया गया है। पांच रुपए का सिक्का जन सामान्य के प्रयोग हेतु चलन में होगा जबकि 100 रुपए का सिक्का आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के संस्मारक उद्देश्य से संजोकर रखा जाएगा। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री आज़ाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदीप बंद्योपाध्याय के अलावा, योजना आयोग की सदस्य सुश्री सईदा हमीद, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ आर. के. श्रीवास्तव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के अध्यक्ष मेजर जनरल डॉ आर.के. बंसल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आयुष विभाग के सचिव डॉ अनिल कुमार तथा स्वास्थ्य अनुसंधान

राष्ट्र की सेवा में 100 वर्ष
1911-2011

लेकर जो खुले मंच बनाये हैं वे काबिले तारीफ़ हैं। इससे वैज्ञानिकों में बौद्धिक सक्रियता बढ़ेगी।

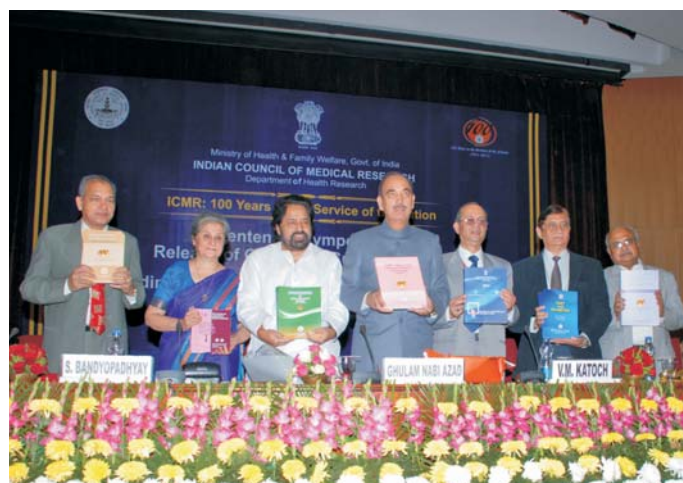
स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री सुदीप बंदोपाध्याय ने इस ऐतिहासिक अवसर पर परिषद के कार्यों की विशेष रूप से सराहना की। खासतौर से सी एस आई आर और आयुष विभाग के साथ मिलकर ऐसी नई औषधियों की खोज में जुट जाने की आवश्यकता व्यक्त की जिनसे औषधि-प्रतिरोधी संक्रमणों एवं पार्किन्सन और अलज़ाइमर जैसे चिरकालिक और क्षीण बना देने वाले रोगों की चिकित्सा में अपूर्व लाभ मिल सके। श्री बंदोपाध्याय ने सन् 1913 से ही नियमित रूप से प्रकाशित होने वाले *इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च* की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से वैज्ञानिक जानकारी का व्यापक और प्रभावी प्रसार हुआ। समारोह में अनेक गणमान्य व्यक्तियों के अलावा परिषद के संस्थानों के निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

योजना आयोग में सलाहकार (स्वास्थ्य) सुश्री सईदा हमीद ने कहा कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिये स्वास्थ्य अनुसंधान का जो खाका तैयार किया गया है उससे देश में एक नई अनुसंधान क्रांति की अपेक्षा की जा सकती है। इस उत्कृष्ट प्रलेखन के लिये उन्होंने स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव डॉ विश्व मोहन कटोच की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि अभी मातृ और शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमें और अधिक शोधकार्य करने की जरूरत है।

डाक्युमेन्ट्स का विमोचन

परिषद के शताब्दी वर्ष समापन समारोह के अवसर पर परिषद द्वारा तैयार विभिन्न दस्तावेजों (डाक्युमेन्ट्स) का भी माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद द्वारा विमोचन किया गया। ये दस्तावेज (डाक्युमेन्ट्स) निम्न हैं:

1. **कम्पेण्डियम ऑफ़ आई सी एम आर रिसर्च पेपर्स : (1919-2010)- ए कन्सॉलिडेशन** : इसमें परिषद द्वारा प्रकाशित 12,471 शोध पत्रों के विवरण के साथ, प्रकाशित जर्नल के देश का नाम तथा सेकन्डरी सर्विसेज़ में कवरेज़ का भी वर्णन दिया गया है।
2. **आई सी एम आर्स मोस्ट साइटेड रिसर्च पेपर्स : ए क्रोनिकल (1950-2010)** : इस प्रकाशन के अंतर्गत प्रतिवर्ष सर्वाधिक साइटेशन प्राप्त करने वाले शोध पत्र का फुल टेक्स्ट विवरण उपलब्ध है। इसमें कुल 61 शोध पत्र शामिल हैं।
3. **साइटेशन क्लासिक्स ऑफ़ आई सी एम आर : रिसर्च पेपर्स (1950-2010)** : इस दस्तावेज के अंतर्गत विभिन्न रोग स्थितियों के अंतर्गत प्रकाशित सर्वाधिक साइटेशन प्राप्त 5 शोध पत्रों का फुल टेक्स्ट विवरण उपलब्ध है।
4. **बिबलियोग्राफिकल डेटिल्स ऑफ़ टेन मोस्ट साइटेड पेपर्स (केटेगेराइज्ड अन्डर प्रॉयर्टी एरिया ऑफ़ दि काउन्सिल)** : इस दस्तावेज में प्रत्येक रोग विशिष्ट क्षेत्रों में प्रकाशित 10 अत्यधिक साइटेड पेपर्स का बिबलियोग्राफिक वर्णन प्रस्तुत है।
5. **डाइरेक्टरी ऑफ़ हेल्थ रिसर्च इस्टीमेट्स** : इस डाइरेक्टरी में भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों/केन्द्रों का पूर्ण विवरण प्रदान किया गया है।



दस्तावेजों को रिलीज़ करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदीप बंदोपाध्याय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं आई सी एम आर के महानिदेशक डॉ विश्व मोहन कटोच के साथ अन्य अतिथिगण।

आई सी एम आर की गतिविधियों और उपलब्धियों पर निर्मित डीवीडी फिल्मों युक्त एलबम का विमोचन

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और देशभर में स्थित इसके 31 संस्थानों की शोध गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए 9 डीवीडी युक्त एक एलबम तैयार किया गया। आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री गुलाम नबी आज़ाद, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदीप बंदोपाध्याय के कर कमलों द्वारा इस एलबम का विमोचन किया गया।

इस एलबम में लगभग 30-30 मिनट अवधि की तीन मुख्य फिल्में हैं जो वैज्ञानिकों के लिए "नई चुनौतियाँ दृढ़ संकल्प"; जन सामान्य के लिए "स्वस्थ भविष्य की ओर"; तथा नीति निर्माताओं के लिए "खोज नए रास्तों, नई मंजिलों की" शीर्षक से निर्मित हैं। ये तीनों फिल्में 3 डीवीडी में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में हैं।

इनके अलावा 14 रोग स्थितियों पर आधारित लघु फिल्में भी तैयार की गई हैं। प्रत्येक लघु फिल्मों की अवधि लगभग 10 मिनट है। इस तरह 14 रोग स्थितियों को अंग्रेजी में 3 डीवीडी तथा हिन्दी में 3 डीवीडी में व्यवस्थित किया गया है। इस प्रकार कुल 9 डीवीडी में समाहित एलबम में आई सी एम आर की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ प्रस्तुत हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद मुख्यालय द्वारा दिनांक 8 नवम्बर, 2011 और दिनांक 15 नवम्बर, 2011 को आयोजित उपर्युक्त कार्यक्रमों के दौरान परिषद द्वारा शताब्दी वर्ष के दौरान संचालित विविध गतिविधियों और अर्जित उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। इन दोनों ही कार्यक्रमों का प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में व्यापक कवरेज़ हुआ। आई सी एम आर शताब्दी वर्ष (15 नवम्बर, 2010-15 नवम्बर 2011) के दौरान समस्त गतिविधियाँ स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव तथा आई सी एम आर के महानिदेशक डॉ विश्व मोहन कटोच के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुईं। आई सी एम आर शताब्दी वर्ष कैलेण्डर में सम्मिलित सभी सामग्री परिषद के विभिन्न संस्थानों से प्राप्त हुई जिन्हें अंतिम रूप देने में परिषद मुख्यालय के तत्कालीन ई सी डी प्रभाग प्रमुख

परिषद मुख्यालय के वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रशासन) श्री अरुण बरोका एवं डॉ विजय कुमार श्रीवास्तव का सक्रिय योगदान रहा। आई सी एम आर की गतिविधियों और उपलब्धियों पर निर्मित डीवीडी फिल्मों को तैयार करने में परिषद के सभी संस्थानों/केन्द्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग के प्रमुख डॉ के. सत्यनारायण के कुशल मार्गदर्शन और वैज्ञानिक 'ई' डॉ के.एन. पाण्डेय के समन्वयन में निर्मित डीवीडी फिल्मों को अंतिम रूप सचिव, डी एच आर एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व मोहन कटोच के बहुमूल्य सुझावों के उपरांत दिया गया। परिषद द्वारा संचालित विविध कार्यक्रमों के सुगम संचालन के साथ-साथ डी वी डी फिल्मों के निमा

डॉ ललित कान्त और प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ विजय कुमार श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आई सी एम आर 'लोगो' को तैयार करने में परिषद की समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आई सी एम आर शताब्दी वर्ष के संस्मरण में निर्मित 5 रुपए के डाक टिकट तथा पांच और सौ रुपए के सिक्कों को तैयार कराने में

राष्ट्र की सेवा में 100 वर्ष
1911-2011



मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के साथ बाएं से तीसरे सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व मोहन कटोच

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्तर्गत स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ आर.के. श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने निर्धन वर्ग तब स्वास्थ्य की उपलब्धता की वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए भारत में विभिन्न रोगों के क्षेत्र में बौद्धिक सम्पदा को बढ़ाने पर बल दिया। जिससे भारत, बौद्धिक सम्पदा के संदर्भ में चीन, संयुक्त राज्य अमरीका और जापान जैसे अन्य देशों के साथ खड़ा हो सके।

कार्यशाला के दूसरे दिन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आई सी एम आर के महानिदेशक डॉ विश्व मोहन कटोच ने निर्धन वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य के अवसर प्रदान करने में आई सी एम आर द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने को अत्यंत आवश्यक बताया जिसके प्रयोग से भारत के जनसामान्य को वहन योग्य सस्ती सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

आई सी एम आर के वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, बौद्धिक सम्पदा अधिकार डॉ के. सत्यनारायण ने बल दिया कि इस कार्यशाला से न केवल बौद्धिक सम्पदा (आई पी) के उद्योग विशिष्ट संदर्भ में उभरती प्रवृत्तियों तथा जैवआयुर्विज्ञान अनुसंधान में बौद्धिक सम्पदा के पहलुओं पर स्पष्ट जानकारी मिलेगी बल्कि आई पी संरक्षण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर आई पी कानूनों और पेटेंट संबंधी पहलुओं की क्रमबद्ध समीक्षा भी की जा सकेगी।

श्री ए. प्रधान, प्रमुख (बी ओ डी), एन आर डी सी ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की प्रक्रियाओं तथा इसके प्रसार में एन आर डी सी की



सचिव, डी एच आर एवं महानिदेशक, आई सी एम आर डॉ विश्व मोहन कटोच द्वारा संबोधन

भूमिका के विषय में जानकारी प्रदान की।

नई दिल्ली स्थित पेटेंट कार्यालय के सहायक नियंत्रक डॉ के.एस. कर्दम ने पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी और पेरिस सम्मेलन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय पेटेंटिंग प्रणाली पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

नई दिल्ली स्थित विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डी एस आई आर) के वैज्ञानिक 'एफ' एवं निदेशक डॉ विमल कुमार वरुण ने इंटरनेट पर उपलब्ध पेटेंट संसाधनों और पेटेंट फाइल करने हेतु महत्वपूर्ण सर्च नीतियों पर एक सूचना परक व्याख्यान दिया।

डी एस आई आर के पूर्व वैज्ञानिक 'जी' श्री आर.आर. अभ्यंकर ने "शोध के विभिन्न क्षेत्रों में भारत में पेटेंट सांख्यिकी" विषय पर संक्षिप्त जानकारी दी।

डॉ मनीशा श्रीधर, आई ए एस, अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल, आई वी आर तथा ट्रेड यूनिट, डब्ल्यू एच ओ, दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र ने आई पी संरक्षण के प्रति चुनौतियों तथा स्वास्थ्य की उपलब्धता एवं आई पी के वर्तमान ज्वलंत पहलुओं जैसे कि भारत के पेटेंट कानून पर TRIPS के प्रभाव पर एक बृहत् एवं सूचनापरक व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के समापन पर आई सी एम आर की वैज्ञानिक 'डी' डॉ साधना श्रीवास्तव ने आई पी टूल किट पर एक संक्षिप्त परन्तु सूचनाप्रद जानकारी प्रदान करने के उपरांत धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। अंत में श्री ए. प्रधान द्वारा सभी सहभागियों को प्रमाणपत्र वितरण के उपरांत उनके विदाई भाषण के साथ इस कार्यशाला का समापन हुआ।

परिषद के समाचार

परिषद के विभिन्न तकनीकी दलों/समितियों की निम्नलिखित बैठकें नई दिल्ली में सम्पन्न हुईं:

मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर विशेषज्ञ दल की बैठक	29 सितम्बर, 2011
फेलोशिप पर विशेषज्ञ दल की बैठक	29 सितम्बर, 2011
साइकल रिक्शा के रिडिजाइन्ड मॉडेल के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की प्रगति पर पुनरीक्षण बैठक	29 सितम्बर, 2011
कलंक सहित एवं किशोरवय व्यवहार तथा स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य इक्विटी पर परियोजना पुनरीक्षण दल की बैठक	30 सितम्बर, 2011
प्रायोगिक चिकित्सा एवं संज्ञाहरण के क्षेत्र में परियोजना पुनरीक्षण की बैठक	4 अक्टूबर, 2011
प्रजनन क्षमता नियमन तथा विस्तृत होती गर्भ निरोधकों की पसन्द पर परियोजना पुनरीक्षण दल की बैठक	4 अक्टूबर, 2011

स्थूलता पर विशेषज्ञ दल की बैठक	11-12 अक्टूबर, 2011
शिशु स्वास्थ्य पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	12 अक्टूबर, 2011
जैव-नाशकजीवनाशियों के मूल्यांकन के लिए Sop सूत्रण की बैठक	18 अक्टूबर, 2011
तीव्र कोरोनरी घटना के प्रबन्ध पर (मेस रजिस्ट्री) टास्क फोर्स की बैठक	18 अक्टूबर, 2011
तंत्रिकाविज्ञान पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	19 अक्टूबर, 2011
भारत में तीव्र कोरोनरी घटना पर मेगास्टडी से प्राप्त जैविक नमूनों के लिए बायोबैंक की डिज़ाईनिंग पर टास्क फोर्स बैठक	19 अक्टूबर, 2011
नीसेरिया गोनेरी निगरानी कार्य पर टास्क फोर्स की बैठक	19 अक्टूबर, 2011
सांख्यिकी पर टास्क फोर्स की बैठक	20 अक्टूबर, 2011
ICMR-NIF संयुक्त पहल के विशेषज्ञों की उप समिति की बैठक	24 अक्टूबर, 2011
भेषजगुणविज्ञान पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	28 अक्टूबर, 2011
दोहरे पुष्टीकृत नमक तथा अरक्तता पर टास्क फोर्स के गठन से सम्बद्ध पहलुओं पर चर्चा के लिए बैठक	2 नवम्बर, 2011
सरोगेसी से सम्बद्ध पहलुओं पर फ्रेंच डेलीगेशन की बैठक	2 नवम्बर, 2011
हेल्थ एकाउन्टिंग स्कीमपरिचालनात्मक मूल्यांकनपाइनियरिंग मल्टी-सेक्टरल समन्वयन तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए लोगों के सशक्तिकरणपर विशेषज्ञ दल की बैठक	3 नवम्बर, 2011
वाहिकीय बोधात्मक दोष पर टास्क फोर्स दल की बैठक	4 नवम्बर, 2011
MDG4 एवं MDG5 को प्राप्त करने के लिए मातृ, नवजात शिशु एवं शिशु स्वास्थ्य इंटरवेंशन को बढ़ाने की प्राथमिकता हेतु बैठक	8 नवम्बर, 2011
एण्डोसल्फान पर विशेषज्ञ दल की बैठक	8 नवम्बर, 2011
अतिरक्तदाब पर विशेषज्ञ दल की बैठक	11 नवम्बर, 2011
मैरीन (समुद्री) स्ट्रेप्टोमाइसीज़ प्रजाति R2 से प्राप्त नवीन एंटीबायोटिक ट्रांजिटमाइसिन के अनुकूलन, संश्लेषण एवं मूल्यांकन शीर्षक से प्रस्ताव के मूल्यांकन हेतु टास्क फोर्स की बैठक	16 नवम्बर, 2011
रिकेट्शियल रोगों पर विशेषज्ञ दल की बैठक	22 नवम्बर, 2011
मधुमेह अनुसंधान एवं ग्लूकोज़ सेंसिंग डिवाइस के विकास पर विशेषज्ञ दल की बैठक	28 नवम्बर, 2011
स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण एवं प्रयोग और लिंग पहलुओं तथा प्रजनन स्वास्थ्य एवं जीवन शैली सम्बद्ध रोगों पर परियोजना पुनरीक्षण दल की बैठक	28 नवम्बर, 2011

आई सी एम आर पत्रिका भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की वेबसाइट www.icmr.nic.in पर भी उपलब्ध है

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्

सेमिनार/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए परिषद द्वारा आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित प्रपत्र पर पूर्णतया भरे हुए केवल उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा जो सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि के आरम्भ होने की तारीख से कम से कम चार महीने पूर्व भेजे जाएंगे।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के लिए मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स,
ए-89/1, नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, फेज़-1, नई दिल्ली-110 028 से मुद्रित। पं. सं. 47196/87